Assignments for TEE December 2023 and for TEE June 2024

(बीए दर्शनशास्त्र प्रथम वर्ष)

BPY-001 भारतीय दर्शन-I

ध्यातव्य

1. **सभी पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**
2. **सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।**
3. **प्रश्न क्रमांक 1 तथा 2 में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में लिखिए।**

1. वैदिक (वेद एवम् उपनिषद्) दर्शन में सत् (बीइंग) और संभवन (बिकमिंग) की समस्या पर निबंध लिखिए। 20

अथवा

तज्जलान का अर्थ क्या है? तज्जलानीति के कुछ दार्शनिक निहितार्थों को रेखांकित कीजिए। 20

2. क्या आप मानते हैं कि विविधता में एकता उपनिषद का केन्द्रीय विचार है? अपने उत्तर के समर्थन में युक्तियां प्रस्तुत कीजिए। 20

अथवा

बौद्ध दर्शन के प्रतीत्यसमुत्पाद के विचार की व्याख्या और मूल्यांकन कीजिए। 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **200-200** शब्दों में लिखिए। 2*10= 20
   - अ) "तत्त्वमसि" के विचार की चर्चा कीजिए। 10
   - आ) वैदिक दर्शन ऋत् को ब्रह्माण्डीय और नैतिक सिद्धान्त की तरह कैसे वर्णित करते हैं? 10
   - इ) अनेकान्तवाद का मूल्यांकन कीजिए। 10
   - ई) चार्वाक् दर्शन अनुमान का खंडन किस तरह करता है? चार्वाक के अनुमान के खंडन का मूल्यांकन कीजिए। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग **150-150** शब्दों में लिखिए। 4*5= 20

अ) वैदिक देवताओं पर लघु टिप्पणी कीजिए। 5

आ) अथर्ववेद की विषय-वस्तु पर लघु निबन्ध लिखिए। 5

इ) बौद्ध दर्शन के वैभाषिक एवं सौतान्त्रिक दर्शन-सम्प्रदायों के ज्ञानमीमांसीय दृष्टिकोण में भेद बताईये। 5

ई) छान्दोग्य उपनिषद् उपनिषद की दार्शनिक अन्तर्दृष्टि पर निबन्ध लिखिए। 5

उ) चार आर्य सत्य पर निबंध लिखिए। 5

ऊ) तैत्तिरीय उपनिषद् में चित्रित आनन्द की अवधारणा की चर्चा कीजिए। 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर लगभग **100-100** शब्दों में लघु टिप्पणी लिखिए। 5*4= 20

अ) समत्व मनोभाव 4

आ) आरण्यक 4

इ) संहिता 4

ई) हिरण्यगर्भ 4

उ) परा विद्या 4

ऊ) शून्यवाद 4

ए) क्षणभंगवाद 4

ऐ) जैन दर्शन में पुदगल 4

BPY-002 तर्कशास्त्र : शास्त्रीय एवं प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र

1. परिभाषा क्या है? विभिन्न प्रकारों की परिभाषाओं की व्याख्या कीजिए। किसी को परिभाषित करने की सीमा की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए। 20

अथवा

आगमन क्या है? आगमन की समस्याओं पर टिप्पणी लिखिए। 20

2. औपचारिक एवं अनौपचारिक तर्कदोषों में भेद कीजिए। भिन्न प्रकार के अनौपचारिक तर्कदोषों पर टिप्पणी कीजिए। 20

अथवा

तर्क क्या है? आगमन और निगमन तर्कों के मध्य अन्तर कीजिए। 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 200-200 शब्दों में लिखिए। 2*10= 20

   अ) रचनात्मक एवं सरल उभयतःपाश में सोदाहरण भेद कीजिए। 10

   आ) विरोध वर्ग पर टिप्पणी लिखिए। 10

   इ) यदि "सभी राष्ट्र लोकतांत्रिक देश हैं" सत्य है। तो, निम्नलिखित कथनों का सत्यता मूल्य निर्धारित कीजिए एवं पूर्वोक्त कथन से इन कथनों का सम्बन्ध बताइये। 5*2= 10

      क) कोई भी राष्ट्र लोकतांत्रिक देश नहीं हैं।

      ख) कुछ राष्ट्र लोकतांत्रिक देश नहीं हैं।

      ग) कुछ राष्ट्र गैर-लोकतांत्रिक देश नहीं हैं।

      घ) कोई भी लोकतांत्रिक देश राष्ट्र नहीं है।

      ङ) कुछ गैर-राष्ट्र लोकतांत्रिक देश हैं।

   ई) अरस्तू के तर्कशात्र की क्या सीमाएं हैं? क्या आप मानते हैं कि प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र ने अरस्तू के तर्कशास्त्र की समस्याओं को हल किया है? 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग **150-150** शब्दों में लिखिए। 4*5= 20

   अ) आपादन (इम्पिल्केशन) क्या है? 5

   आ) अस्तित्वपरक आशय (एक्जेन्शियल इम्पोर्ट) पर लघु निबन्ध लिखिए। 5

   इ) उभयतःपाश का परिहार कैसे किया जा सकता है? 5

ई) तर्कशास्त्र क्या है? 5

उ) सार्वभौमिक सामान्यीकरण एवं अस्तित्वपरक सामान्यीकरण में भेद कीजिए। 5

ऊ) तर्कशास्त्र एवं भाषा के सम्बन्ध पर लघु निबन्ध लिखिए। 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर लगभग **100-100** शब्दों में लघु टिप्पणी लिखिए।

अ) व्यर्थ परिभाषा का दोष 4

आ) स्ट्रॉक फलन 4

इ) *मॉडस पॉनेन्स* 4

ई) प्राक्कल्पित प्रतिज्ञप्ति 4

उ) विश्लेषणात्मक अनुभव-निरपेक्ष 4

ऊ) सत्यता मूल्य 4

ए) द्वि-उपाधिक 4

ऐ) अवितरित मध्यम पद का दोष 4

BPY-003 ग्रीक दर्शन

ध्यातव्य

1. **सभी पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**
2. **सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।**
3. **प्रश्न क्रमांक 1 तथा 2 में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में लिखिए।**
4. **यदि किसी प्रश्न के एक से अधिक भाग हैं, तो सभी भागों के उत्तर दीजिए।**

1. प्लेटो की राज्य की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। प्लेटो लोकतंत्र के विचार की आलोचना कैसे करते हैं? 20

अथवा

सुकरात की पद्धतियों का मूल्यांकन कीजिए। 20

2. स्टोइक के ईश्वर के विचार की चर्चा और मूल्यांकन कीजिए। 20

अथवा

अ) "समर्पण परम आनन्द है" व्याख्या कीजिए। 10

आ) एम्पीडोक्लीज का सृष्टिमीमांसा का विचार 10

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **200-200** शब्दों में लिखिए।2*10=20

अ) "सब कुछ प्रवाह में है" इस सिद्धान्त को स्थापित करने के लिए हेराक्लिट्स ने क्या युक्तियां दीं? 10

आ) ज़ीनो के विरोधाभास पर टिप्पणी लिखिए। 10

इ) अणुवादियों के द्वारा समर्थित ज्ञान के सिद्धान्त पर निबन्ध लिखिए। 10

ई) "सद्गुण ज्ञान है।" विश्लेषण कीजिए। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग **150-150** शब्दों में दीजिए। 4*5=20

अ) यादृच्छिक अवसर एवं मानवीय विकल्प-चयन में बोइथस द्वारा किए गये भेद पर निबन्ध लिखिए। 5

आ) ऑगस्टाइन ने श्रद्धा एवं तर्कबुद्धि में सम्बन्ध को किस तरह सिद्ध किया? 5

इ) अक्वीनास के ईश्वर सम्बन्धी विचार पर निबन्ध लिखिए। 5

ई) अरस्तू के द्रव्य विचार पर निबन्ध लिखिए। 5

उ) यहुदी दर्शन की क्या चारित्रिक विशेषताएं हैं? चर्चा कीजिए। 5

ऊ) पाइथागोरस के आत्मा की अवधारणा पर टिप्पणी कीजिए। 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर लगभग **100-100** शब्दों में लघु टिप्पणी कीजिए।5*4= 20

अ) ऑखम का रेज़र (ऑखम का न्याय) 4

आ) द्वन्द्वात्मक पद्धति 4

इ) ग्रीक दर्शन 4

ई) लोगोस 4

उ) अन्तिम कारण 4

ऊ) प्रज्ञा का साम्राज्य (रेल्म ऑफ़ इन्टेन्जिबल) 4

ए) अकादमिक (स्कॉलिस्टिक) दर्शन 4

ऐ) गुफा का रूपक 4

BPY-004 विश्व के धर्म

ध्यातव्य

1. **सभी पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**
2. **सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।**
3. **प्रश्न क्रमांक 1 तथा 2 में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में लिखिए।**

4.यदि किसी प्रश्न के एक से अधिक भाग हैं, तो सभी भागों के उत्तर दीजिए।

1. धर्म क्या है? धर्म दर्शन और धर्म-मीमांसा के मध्य अन्तर कीजिए। 20

अथवा

इमाइल दुर्खीम के धर्म सम्बन्धी सामाजिक दृष्टिकोण की चर्चा और मूल्यांकन कीजिए। 20

धर्म सम्बन्धी मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण की चर्चा कीजिए। 20

अथवा

अ) धार्मिक प्रथाएं न्यूरोटिक रूप में, फ्रायड की इस अवधारणा की चर्चा कीजिए। 10

आ) धार्मिक अनुभव के अपवर्जन (एक्स्क्लुजिविस्ट) एवं समावेशी (इन्क्लुजिविस्ट) दृष्टिकोणों में तुलना कीजिए। 10

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **200-200** शब्दों में लिखिए। 2*10= 20

   अ) कार्ल युंग का धर्म सम्बन्धी मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण की चर्चा कीजिए। 10

   आ) यह दिखाने के लिए कि धार्मिक (धर्मगत) अनुभव का अपचयन सम्भव नहीं, जॉन हिक किस तरह विटगेन्सटाइन के दर्शन का प्रयोग करता है? चर्चा कीजिए। 10

   इ) इस्लाम की तत्त्वमीमांसा की चर्चा कीजिए। 10

   ई) चार आर्य सत्यों के दार्शनिक निहितार्थों की टिप्पणी लिखिए। 10

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग **150-150** शब्दों में लिखिए। 4*5= 20

   अ) इसाई दर्शन कैसे सिद्ध करता है कि बाइबिल ईश्वर का शब्द है? 5

   आ) अपौरुषेयता क्या है? 5

   इ) सिख दर्शन में मोक्ष के विचार की व्याख्या कीजिए। 5

   ई) कन्फ्युशियस का दर्शन मानव को कैसे वर्णित करता है? मूल्यांकन कीजिए। 5

   उ) "ताओ अनिर्वचनीय ह॥" वर्णित कीजिए। 5

   ऊ) आत्म (स्पिरिट) की मध्यस्थता के विचार का मूल्यांकन कीजिए। 5

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर लगभग **100-100** शब्दों में लघु टिप्पणी लिखिए। 5*4= 20

अ) मोज़ेज़ का एकत्व (मोनोथिएस्टिक) विचार 4

आ) होलोकास्ट 4

इ) गॉस्पेल 4

ई) नवजोत 4

उ) इष्टदेवता 4

ऊ) राजयोग 4

ए) महावीर 4

ऐ) स्यात् वाद 4